तरीके से नहर एवं पाइपलाइन के माध्यम से राज्य के 13 जिलों में सिंचाई और पीने के पानी की दृष्टि से उपलब्ध कराना है। मैं आपको बताना चाहता हूं कि यह प्रथम फेज़ में करीबन 37,000 करोड़ का प्रोजेक्ट है। इस प्रोजेक्ट की रिपोर्ट केन्द्र सरकार को प्रस्तुत कर दी गई है। इसमें चम्बल नदी, काली सिंध, पार्वती, बनास, मेज, कुन्नू आदि नदियों का पानी जाएगा। अलवर, भरतपुर, धौलपुर, सवाई माधोपुर, दौसा, करौली, जयपुर, अजमेर, टोंक, बूंदी, कोटा, बारां, झालावार, इन जिलों को यह पानी उपलब्ध कराया जाएगा। माननीय सभापति महोदय, first, second और third फेज़ में यह पाया गया है कि करौली एवं सवाई माधोपुर जिले के माड़ क्षेत्र को छोड़कर समूचा दौसा जिला इस योजना से वंचित रह गया है, इसलिए प्रथम चरण में इसका प्रस्ताव चैनपुर, नादौटी से उर्मिला सागर, जो कि धौलपुर के मार्ग से जाएगा। वहीं करौली जिले के वंचित बांध नींदर, मामचारी, मोहनपुरा, बोरूंदा, जगर बांध, न्यू टैंक महस्वा, किंसनसमद बांध, रोसी बांध, फतेह सागर बांध, आगरी महुक्यारदा, सवाई माधोपुर का मोरा सागर, देवपुरा, भगवतगढ़, पाचौलास, मुई नागोला, माड़ क्षेत्र के नाग तलाई, मोती सागर, बनियावाला, गंडाल, रिवाली, अखोदिया, पिपलायी, शंकर सागर, दौसा जिले का मोरेल बांध, माधो सागर, काला खो, सेंथल सागर, झिलमिली, बिनौरी सागर, श्रीटोली, चान्द्रना, भण्डारी, सुरजपुरा, सिंथौली, जगरामपुरा, कोटा, कोंडला, खोरा, हुल्ला, शीशवाड़ा आदि गांव, जो इस प्रोजेक्ट से वंचित रह गए, उनको प्रथम चरण में शामिल किए जाने की मांग है। इसके अलावा सेकेण्ड और थर्ड फेज़ में अलवर, जयपुर और टोंक के जो महत्वपूर्ण बांध रह गए हैं, उनको इसमें जोड़ा जाना बहुत जरूरी है। सभापति महोदय, मैं एक मिनट और लूंगा। आप जानते है कि राजस्थान में पानी की भीषण समस्या है, राज्य सरकार के पास उसे लिए सीमित संसाधन हैं, इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि इसको नेशनल प्रोजेक्ट घोषित किया जाए और इस प्रोजेक्ट को special assistance दिया जाए, जिससे 13 जिलों के पीने के पानी की समस्या का समाधान हो सके।

Need to lay a separate railway line connecting Bibinagar junction to Valigouda, Suryapet and Kodad in Telangana

SHRI B. LINGAIAH YADAV (Telangana): Hon. Chairman, Sir, I thank you for giving this opportunity to make my Zero Hour submission.

I may kindly be permitted to bring to your kind notice that at present broad gauge line is passing through Secunderabad, Bibinagar Junction of Bhongir in Yadadri-Bhongir District passing through Valigonda, Chityal, Nalgonda, Miryalaguda, Vazirabad, connecting Guntur in Andhra Pradesh State. The other important towns such as Narketpally, Kattangoor, Nakrekal, Suryapet, Munagala and Kodad of Nalgonda and Suryapet Districts are devoid of any railway connectivity. Sir, Suryapet is District headquarters. It is on NH-65 heading to Vijayawada from Hyderabad. There is a heavy traffic on this National Highway. Further, Kodad town is a revenue division headquarters. It is an upcoming town with many commercial and industrial activities, particularly cement industries in and around Suryapet and Kodad towns. There is another important town — Jaggaiahpet Mandal headquarters — in Krishna District in AP. It is 20 Kms from Kodad town. This

[Shri B. Lingaiah Yadav]
is also devoid of any railway connectivity. There is a broad gauge line passing through Mutamarri village in Madhira Mandal headquarters of Khammam District.

Hence, I request hon. Railway Minister, looking at the circumstances explained above, to issue orders far survey of the said new railway line. The necessary sanction for starting the work could be taken up subsequently. Thank you.

MR. CHAIRMAN: Lingaiahji, you know Hindi. You know Telugu. You could have spoken in any of those languages and it would have been more effective and comfortable.

SHIR VIJAYASAI REDDY : Not present.

Need for implementation of the Minimum Wages Act in the tea gardens of Assam

श्री सन्तियुस कुजूर (असम)ः चेयरमैन सर, आपने मुझे शून्य काल में बोलने का मौका दिया, इसके लिए धन्यवाद। सर, भारत की 50 परसेंट से भी ज्यादा चाय का प्रोडक्शन असम में होता है और असम चाय के लिए पूरे विश्व में अपनी एक अलग पहचान बनाने में कामयाब हुआ है। यह लगभग 800 चाय बागानों में काम करने वाले 10 लाख से भी ज्यादा चाय मजदूरों के कठिन परिश्रम का फल है। Most of these tea labourers are *aadivasis.* They were brought to Assam by the British Government to work in tea gardens in different parts of the country.

सभापति महोदय, मुझे बहुत दुःख के साथ कहना पड़ रहा है कि असम के आदिवासियों एवं चाय मजदूरों की हालत बहुत ही बुरी है। ये लोग सभी तरफ से पिछड़े हुए हैं। चाहे वह शिक्षा की दिशा हो, हेल्थ की दिशा हो, सामाजिक दिशा हो या आर्थिक दिशा हो, इन लोगों में सभी तरह से पिछड़ापन है। आज की तारीख में असम के चाय मजदूरों का सिर्फ 167 रुपये मजदूरी मिलती है। Assam tea industry provides tea not only to India, but also to many other countries. But the tea labourers are forced to consume a poison cup of poverty, illness, illiteracy and lack of basic sanitation and healthcare facilities. Sir, these *aadivasis* have, for a long time, been demanding for implementation of the National Minimum Wages Act in the tea gardens of Assam.

सभापति महोदय, वर्ष 2014 और 2016 के क्रमशः लोक सभा और विधान सभा निर्वाचन में बीजेपी ने आदिवासियों को शेड्यूल्ड ट्राइब्स और चाय मजदूरों को नेशनल मिनिमम वेज के तहत 350 रुपये मजदूरी देने का वायदा किया था।

श्री सभापतिः आप पार्टी को छोड़ दीजिए, विषय बताइए, विषय इम्पॉर्टेंट है।

श्री सन्तियुस कुजूरः सर, आज भी वह वायदा पूरा नहीं हुआ।

श्री सभापतिः ठीक है, यहां आपको समाधान देने के लिए बीजेपी नहीं है न!